इंडक्शन प्रोग्राम डीएवीवी के 'शुभारंभ 2019' में छात्रों-प्राध्यापकों का परिचय सत्र सम्पन्न

वैश्विक स्तर पर नई रफ्तार से बढ़ रहा देश : डॉ. शशि प्रकाश

IAmIndore • इंदौर
editor@peoplessamachar.co.in

इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम शुभारंभ 2019 के दूसरे दिन मंगलवार को डिपार्टमेंट के प्रोफेसर्स ने प्रेरक संबोधन देते हुए अपना नाम विश्व पटल पर स्थापित कर माता-पिता का नाम रोशन करने के साथ भविष्य संवारने के लिए प्रेरणा दी। आईईटी इंडक्शन प्रोग्राम के समन्वयक शैलेंद्र सिंह खिंची ने संस्थान के अलग-अलग शाखा में प्रवेश लेने वाले छात्रों को उनके विभाग के प्राध्यापकों से परिचित कराया, वहीं विभाग की कार्यशैली के बारे में जानकारी दी।

वाइवा और प्रैक्टिकल का कोई रिव्यू नहीं होता- आईईटी के विभागाध्यक्ष डॉ. जीव टोकेकर ने बताया कि अगर छात्र किसी विषय को नजर अंदाज करते हैं तो उसमें सबसे बड़ा घाटा होता है। अपने कैरियर के प्रति सजगता के साथ मेहनत करनी चाहिए, क्योंकि वाइवा और प्रैक्टिकल का कोई रिव्यू नहीं होता है। सॉफ्टवेयर से संबंधित विषयों में सब कुछ पूर्ण होता है, इसलिए सब ध्यान से पढ़ना होता है। लेकिन आपको किस दिशा में जाना है, यह आप पर निर्भर करता है। क्लास रूम के साथ-साथ फेकल्टी मेम्बरों से व्यक्तिगत रूप से जुड़कर रुचिकर क्षेत्र में बेहतर कार्य कर सकते हैं। सूचना और तकनीकी के चलते ऑफलाइन कोर्स के साथ-साथ ऑनलाइन कोर्स भी कराए जा रहे हैं। नए स्टार्टअप के लिए सरकार की योजनाएं लाई जा रही हैं। जिससे सामाजिक, किसानी, खेती से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु आईईटी द्वारा हाल ही में अटल इनोवेशन की शुरुआत कर दी गई है। जिससे बच्चे मेक इन इंडिया को साकार करने हेतु सामाजिक समस्याओं को तकनीकी के माध्यम से आसानी से समाधान करना सीख सकें। इलेक्ट्रॉनिक एंड इंस्ट्रूमेंटेशन के विभागाध्यक्ष डॉ. अजय वर्मा ने अनेक कार्य क्षेत्रों के प्रति मार्गदर्शन किया। डॉ. शशि प्रकाश ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर एक नवीन रफ्तार से बढ़ रहा है। अनेकों कार्य क्षेत्रों में भारत के छात्र अपनी उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। समापन सत्र में प्रो. शाहिद खिलजी ने छात्रों को अपनी शैक्षणिक उपलब्धि के साथ-साथ अनेक कार्य क्षेत्रों में काम करने की प्रेरणा दी। आईईटी के कंप्यूटर इंजीनियरिंग शाखा में प्रो. जीएल प्रजापति ने नवीन छात्रों का संस्था के 20 प्राध्यापकों से परिचय करवाया।